अनुक्रमांक .....मुद्रित पृष्ठों की संख्या : **16**

नाम.....

101 301 (DB)

2024

साहित्यिक हिन्दी

समय : 2 घंटे 15 मिनट **पूर्णांक : 100**

modelpaper.info

खण्ड-(क)

प्रश्न-1.निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सत्य है, उसे पहचान कर लिखिए।

(क) 'सरस्वती' की स्थापना किसने की? 1

(i) रामचन्द्र शुक्ल

(ii) चिंतामणि घोष

(iii) श्याम सुन्दरदास

(iv) मिश्रबन्धु

(ख) 'आधे अधूरे' की रचना-विधि है- 1

(i) हरिशंकर परसाई-निबंध

(ii) राजेन्द्र अवस्थी-कहानी

(iii) मोहन राकेश-ना०

(iv) मोहन राकेश-यात्रावृत्त

(ग) 'सरस्वती' पत्रिका के संपादक एवं सस्थापक का सही युग्म है- 1

(i) श्यामसुन्दरदास-आ० शुक्ल

(ii) श्यामसुन्दर दास-चिंतामणि घोस

(iii) महावीर प्रसाद द्विवेदी-मित्रबंधु

(iv) श्यामसुन्दर दास-गिरिधरदास

(घ) 'अरे यायावर याद रहेगा' के लेखक विधा का सही युग्म है- 1

(i) रामवृक्ष बेनीपुर-आत्मकथा

(ii) अज्ञेय-यात्रावृत्त

(iii) रायकृष्ण दास-यात्रावृत्त

(iv) भगवतशरण उपाध्याय-जीवनी

(ङ) 'सरयू की यात्रा' हिन्दी का प्रथम यात्रावृत्त है, इसके लेखक हैं- 1

(i) श्याम सुन्दर दास

(ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(iii) राहुल सांस्कृत्यायन

(iv) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद

प्रश्न-2.(क) ज्ञानाश्रयी शाखा के कवियों में से <u>नहीं</u> है- 1

(i) कबीरदास

(ii) दादूदयाल

(iii) धन्ना

(iv) कुतुबन

modelpaper.info

(ख) वह महिला कवयित्री जिन्होने तार सप्तक में कार्य किया- 1

(i) शकुन्तला माथुर

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) कृष्णा सोबती

(iv) सुभद्राकुमारी चौहान

(ग) 'प्रपद्यवाद' के लेखकों में से नहीं है- 1

(i) नलिन विलोचन

(ii) केसरी कुमार

(iii) नरेश कुमार

(iv) प्रभाकर माचवे

(घ) निम्न में से कौन-सी रचना 'साहित्य अकादमी' प्राप्त है- 1

(i) संस्कृति के चार अध्याय

(ii) दशद्वार से सोपान तक

(iii) चुभते चौपदे

(iv) इनमें से कोई नहीं।

(ङ) महाभोज, आपका बंटी, एक इंच मुस्कान आदि उपन्यासों के/की लेखक/लेखिका हैं- १

(i) कृष्णा सोबती

(ii) मन्नू भंडारी

(iii) प्रभा खेचान

(iv) मोहन राकेश

modelpaper.info

प्रश्न-3 दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 2×5=10

(क) भाषा का सीधा सम्बन्ध प्रयोग से है और जनता से है। यदि नए शब्द अपने उद्‌गम स्थान में ही अड़े रहे और कहीं भी उनका प्रयोग किया नहीं जाए तो उसके पीछे के उद्‌देश्य पर कुठाराघात ही होगा। इसके लिए यूरोपीय देशों में प्रेषण के कई माध्यम हैं श्रव्य दृष्य विधान, वैज्ञानिक कथा साहित्य आदि। हमारी भरतीय भाषओं में वैज्ञानिक कथा साहित्य प्रायः नहीं के बराबर है। किसी भी नए विधान की सफलता अंततः जनता की सम्मति व असम्मति के आधार पर निर्भर करती है और जनता में इस चेतना को उजागर करने का उत्तरदायित्व शिक्षित समुदाय एवं सरकार का होना चाहिए।

(i) गद्यांश के शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) 'कुठाराघात' एवं विधान का अर्थ लिखिए।

(iv) किसी भी नए विधान की सफलता किस आधार पर निर्भर करती हैं।

(v) प्रयोग एवं जनता से किसका सीधा सम्बन्ध है।

अथवा

पूर्वजों ने चरित्र और धर्म-विज्ञान, साहित्य कला और संस्कृति के क्षेत्र में जो कुछ भी पराक्रम किया है, उस सारे विस्तार को हम गौरव के साथ धारण करते हैं। और उसके तेज को अपने भावी जीवन में साक्षात् देखना चाहते हैं। यही राष्ट्र संवर्धन का स्वाभाविक प्रकार है। जहाँ अतीत वर्तमान के लिए भार रूप नहीं है, जहाँ भूत वर्तमान को जकड़ नहीं रखना चाहता, वरन् अपने वरदान से पुष्ट करके उसे आगे बढ़ाना चाहता है, उस राष्ट्र का हम स्वागत करते हैं।

(i) गद्यांश के शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

modelpaper.info

(iii) हमें किसे गौरव के साथ धारण करते हैं।

(iv) हम अपने भावी जीवन में किसे साक्षात देखना चाहते हैं?

(v) राष्ट्र के विकास का स्वाभाविक ढंग किसे बताया गया है।

प्रश्न-4.दिए गए पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 2×5=10

सुख भोग खोजने आते सब
आए तुम करने सत्य खोज,
जग की मिट्टी के पुतले जन
तुम आत्मा के मन के मनोज।
जड़ता, हिंसा स्पर्धा में भर
चेतना, अहिंसा, नम्र भोज,
पशुता का पंकज बना दिया
तुमने मानवता का सरोज।।

(i) पाठ का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) सत्य-खोज करने कौन आया?

(iv) रस एवं अलंकार का नाम लिखिए, जो पद्यांश में प्रयुक्त है।

(v) मन व आत्मा के मनोज किसे कहा गया?

अथवा

चाँदनी रात का प्रथम प्रहर
हम चले नाव लेकर सत्वर।
सिकता की सस्मित सीपी पर
मोती की ज्योत्सना रही विचन
लो पालें चढ़ी उठा लंगर

modelpaper.info

मृदु मन्द-मंद मंथर-मंथर

लघु तरणि हंसिनी सी सुन्दर

तिर रही खोल पालों के पर।

(i) समय कैसा था जब कवि नाव लेकर चला?

(ii) नाव कैसी चली?

(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iv) पाठ का नाम एवं कवि का नाम लिखिए।

(v) 'सिकता' और 'ज्योत्सना' शब्दों के अर्थ लिखिए।

प्रश्न-5.(क) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का साहित्यिक-परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए- (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

2×3=5

modelpaper.info

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द

(ख) निम्नलिखित लेखको में से किसी एक लेखक का साहित्यिक-परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए- (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

2×3=5

(i) ए० पी० जे० अब्दुल कलाम

(ii) वासुदेवशरण अग्रवाल

(iii) कन्हैयालाल मिश्र

प्रश्न-6.बहादुर एवं कर्मनाशा की हार कहानी का साराँश अपने शब्दों में लिखिए। 5

अथवा

बहादुर अथवा पंचलाइट के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

प्रश्न-7. अलोकवृत्त के आधार पर गाँधी जी का चरित्र-चित्रण कीजिए। 5

अथवा

आलोकवृत्त के सभी सर्गो का सार लिखिए।

खण्ड-'ख'

प्रश्न-8.(क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए- 2+5 = 7

पंचशीलमिति शिष्टाचारविषयकाः सिद्धान्ताः। महात्मा गौतमबुद्धः एतान् पंचापि सिद्धान्तान् पंचशीलमिति नाम्ना स्वशिष्यान् शास्ति स्म। इति चैवायं शब्दः अधुनापि तथैव स्वीकृतः। इमे सिद्धान्ताः क्रमेण एवं सन्ति-

१. अहिंसा, २. सत्यम्, ३. अस्तेयम्, ४. अप्रपादः, ५. ब्रह्मचर्यम् इति।

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिकजीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन्। परमद्य इमें सिद्धान्ताः राष्ट्राणां परस्परमैत्रीसहयोगकारणानि, विश्व बन्धुत्वस्य, विश्वशान्तेश्च साधनानि सन्ति।

अथवा

यज्ञवल्क्य उवाच न वा अरे मैत्रेयी! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति। आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति। न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति। न वा अरे पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं व प्रियो भवति।

modelpaper.info

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी एक का सन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए- 2+5 = 7

उदेति सविता ताम्रस्ताम्र एव अस्तमेति च।

सम्पत्तौ च विपत्तौ च महतामेकरूपता।।

अथवा

प्रजानामेव भूत्यर्थं स ताभ्यो बलिम गृहीत्।

सहस्त्र गुणमुत्स्त्रुष्टुमादत्ते हि रसं रविः।।

प्रश्न-9.निम्न संस्कृत प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए- 1 +1 = 4

(i) रूपवती हंसपोतिका कस्य दुहिता आसीत्?

(ii) संस्कृत साहित्यस्य आदिकविः कः आसीत्?

(iii) का भाषा देवभाषा इति नाम्ना ज्ञाता?

(iv) मैत्रेयी याज्ञवलक्यस्य किम् अपृच्छत्?

प्रश्न-10. (क) 'सन्देह' अथवा 'प्रतीप' अलंकार का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ख) हास्य रस अथवा वीभत्स रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ग) कुण्डलिया अथवा चौपाई छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए। 2

प्रश्न-11. निम्न में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा शैली में निबन्ध लिखिए- 2 + 7 =9

(i) पर्यावरण प्रदूषण

(ii) आतंकवाद कारण एवं निवारण

(iii) नारी शिक्षा

(iv) मेरा प्रिय साहित्कार

modelpaper.info

प्रश्न-12. क- (i) 'सज्जनः' का सही सन्धि विच्छेद-होगा- 1

(अ) सत+जन

(ब) सत्+जन

(स) सज्ज+न

(द) स+जन

(ii) 'जगदीश' में कौन सी सन्धि है- 1

(अ) जगत्+ईश

(ब) जग+दीश

(स) जगदी+श

(द) जगत+ईश्वर

(iii) 'पावक' का विच्छेद होगा- 1

(अ) पो+अक

(ब) पौ+ अक

(स) पे+ अक

(द) पै+ अक

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक का विग्रह करके समास का नाम लिखिए -

(अ) गजाननः

(ब) नील्कमलम्

(स) प्रतिदिनं

प्रश्न-13. बैंक में खाता खोलने हेतु बैंक मैनेजर को एक प्रार्थना पत्र लिखिए।

अथवा

आपके गाँव में फैली गन्दगी कि और ध्यान आकर्षित कराते हुए सम्बंधित अधिकारी को पत्र लिखिए।

modelpaper.info

प्रश्न-14. क- (i) निम्न में से किसी एक शब्द के धातु एवं प्रत्यय का योग स्पष्ट कीजिये।

(अ) पृष्ठ

(ब) गत्वा

(स) दृष्टः

(ii) निम्न में से किसी एक शब्द का प्रत्यय लिखिए।

(अ) सत्यवान

(ब) गुणवान

(स) प्रभुता

(ख) रेखांकित पदों में से एक पद की विभक्ति एवं उसके नियम का उल्लेख कीजिए- 2

(i) सः <u>पादेन</u> खंजः अस्ति।

(ii) <u>ग्रामं</u> परितः परिखा अस्ति।

(iii) सः <u>अक्ष्णा</u> काणः।

modelpaper.info

***